ADB एशियाई विकास बैंक

भारत : बिहार शहरी विकास निवेश कार्यक्रम – भाग 2

परियोजना का नाम	बिहार शहरी विकास निवेश कार्यक्रम – भाग 2	
परियोजना की संख्या	41603-024	
देश	भारत	
परियोजना की स्थिति	सक्रिय	
परियोजना प्रकार/सहायता की विधि	ऋण	
निधीयन का स्रोत/राशि	**ऋण 3612-भारत: बिहार शहरी विकास निवेश कार्यक्रम – भाग 2**	
	साधारण पूंजी संसाधन	यूएस डॉलर 84.00 मिलियन
रणनीतिक कार्यसूची	समावेशी आर्थिक विकास	
परिवर्तन के प्रेरक	अभिशासन और क्षमता विकास ज्ञान समाधान निजी क्षेत्र विकास	
सेक्टर/उप–सेक्टर	**जल और अन्य शहरी बुनियादी सुविधायें और सेवाएं** - शहरी नीति, संस्थागत तथा क्षमता विकास - शहरी जलापूर्ति	
लैंगिक समानता और मुख्यधारीकरण	प्रभावी लैंगिक मुख्यधारीकरण	
विवरण	भाग 2 का लक्ष्य बिहार में भागलपुर तथा गया उपनगरों में जल अवसंरचना का सुधार और विस्तार करना और इन दो उपनगरों के शहरी स्थानीय निकायों (यूएलबी) को जल सेवाओं के स्थायी प्रचालनों तथा अनुरक्षण (ओ एवं एम) सुनिश्चित करने में सहायता प्रदान करना है।	
परियोजना तर्काधार और देश/क्षेत्रीय रणनीति के साथ संबंध	भागलपुर और गया बिहार में राज्य की राजधानी पटना के पश्चात सर्वोच्च आर्थिक वृद्धि की संभावना वाले दो प्रमुख उपनगर हैं। बिहार के आर्थिक केन्द्र होने के बावजूद, ये दो उपनगर राष्ट्रीय शहरी सेवा लक्ष्य हासिल करने अथवा भारत में शहरी सेवा प्रदायगी निष्पादन में उनके राष्ट्रीय औसतों की बराबरी करने में अक्षम रहे हैं। जल आपूर्ति और सीवरेज सेवाएं बनाए रखने में उनकी अक्षमता अवसंरचना के अयथेष्ट आकार और दशा का परिणाम है, जिसका प्रमुख कारण अपर्याप्त नया निवेश तथा प्रचालन एवं अनुरक्षण (ओ एवं एम) है। भागलपुर तथा गया दोनों में जल आपूर्ति सेवा राष्ट्रीय औसत तथा लक्ष्य : (i) जल आपूर्ति व्याप्ति 80 प्रतिशत से कम, जबकि राष्ट्रीय औसत 94–100 प्रतिशत है ; (ii) जल आपूर्ति मात्रा लगभग 60 लीटर प्रति व्यक्ति प्रति दिन (एलसीपीडी), जबकि राष्ट्रीय लक्ष्य 123 एलसीपीडी है ; तथा (iii) जल आपूर्ति की अवधि लगभग 5 घंटे, लक्ष्य 24 घंटे ; तथा (iv) मीटरयुक्त जल कनेक्शन लगभग 0, जबकि लक्ष्य 100 प्रतिशत है, की तुलना में घटिया स्तर की रही है।	
प्रभाव	बेहतर गुणवत्ता और स्थायी शहरी अवसंरचना और सेवाओं हेतु पहुंच में वृद्धि, विशेषरूप से भागल तथा गया में कमजोर गृहस्थियों द्वारा।	
परियोजना परिणाम		
परिणाम का वर्णन	गुणवत्तापूर्ण और स्थायी शहरी जल आपूर्ति हेतु पहुंच में सुधार	
परिणाम की दिशा में प्रगति		
कार्यान्वयन प्रगति		
परियोजना आउटपुट्स का विवरण	जल आपूर्ति अवसंरचना का निर्माण पूर्ण तथा जल आपूर्ति सेवा प्रदायगी प्रबंधन में सुधार के लिए जल आपूर्ति प्रचालनों हेतु स्टाफ तैनाती तथा कौशल में सुधार	
कार्यान्वयन प्रगति की स्थिति (आउटपुट्स, गतिविधियां तथा मुद्दे)		
भौगोलिक अवस्थिति	भागलपुर, गया	
संरक्षा संवर्ग		
पर्यावरण	ख	
अस्वैच्छिक पुनर्वास	ख	

स्वदेशी लोग	ग
पर्यावरण संबंधी तथा सामाजिक मुद्दों का सारांश	
पर्यावरण पहलू	परियोजना 2 पर्यावरण की दृष्टि से संवर्ग बी में सूचीबद्ध की गई है। गया में परियोजना 2 के लिए प्रस्तावित सभी स्थल पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों के भीतर अथवा उनके निकटस्थ अवस्थित नहीं हैं। भागलपुर में जल का आगम परियोजना 2 का पर्यावरण की दृष्टि से सबसे संवेदनशील घटक है, जो 50 कि.मी. विक्रमशिला गंगीय डॉल्फिन अभयारण्य (वीजीडीएस) के मध्य में अवस्थित है। जल आगम का वर्तमान डिजाइन, जिसमें भूमि अथवा नदी तट पर एक जैक वेल का निर्माण शामिल है, को न्यूनतम प्रभाव पैदा करने वाला माना जाता है, क्योंकि यह वीजीडीएस के पर्यावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्र से बाहर है तथा पहले से विकसित किए जा चुके क्षेत्र में अवस्थित होगा। सभी उप–परियोजनाओं के लिए तीन आईई'ज एवं ईएमपी'ज एडीबी की सुरक्षोपाय नीति वक्वव्य (एसपीएस), 2009 के अनुसार तैयार किए गए थे।
अस्वैच्छिक पुनर्वास	अस्वैच्छिक पुनर्वास प्रभावों के संबंध में परियोजना 2 का संवर्ग ख निर्धारित किया गया है। परियोजना 2 के लिए कोई अस्वैच्छिक भूमि अधिग्रहण पूर्वानुमानित नहीं है, क्योंकि सभी स्थल और संरेखण सरकारी हैं। पुनर्वास संरचना तथा स्वदेशी लोग योजना संरचना (आईपीपीएफ) परियोजना 2 के लिए अद्यतन की गई हैं। दो पुनर्वास योजनाएं तथा एक सम्यक् सतर्कता रिपोर्ट एसपीएस, 2009 तथा सरकारी कानूनों के अनुसार तैयार की गई हैं।
स्वदेशी लोग	परियोजना 2, स्वदेशी लोग प्रभावों के संबंध में, संवर्ग ग में सूचीबद्ध की गई है तथा कोई स्वदेशी लोग योजना (आईपीपी) तैयार नहीं की गई है। कार्यान्वयन के दौरान कोई स्वदेशी लोग मुद्दा चिन्हित किए जाने की स्थिति में, उपशमन कार्यवाहियां, एसपीएस 2009 तथा आईपीपीएफ के अनुसार तैयार की जाएंगी।
स्टेकहोल्डर संचार, प्रतिभागिता और परामर्श	
परियोजना डिजाइन के दौरान	परियोजना 2 तैयार करने के दौरान अनेक परामर्श बैठकें तथा कार्यशालाएं हैं। आईईई तैयार करने के दौरान अंतर्राष्ट्रीय गैर–सरकारी संगठनों जैसेकि वर्ल्ड वाइड फंड ऑफिस इन इंडिया, इंटरनैशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर ऑफिस इनं इंडिया तथा डॉल्फिन विशेषज्ञों से परामर्श किया गया था।
परियोजना कार्यान्वयन के दौरान	
व्यवसाय के अवसर	
परामर्शी सेवाएं	भाग 1 (परियोजना 1) के तहत चयन किए गए परामर्शदाता
अधिप्राप्ति	इसमें तीन सिविल कार्य पैकेज हैं : (i) गया जल आपूर्ति परियोजना 1 ; (ii) गया जल आपूर्ति परियोजना 2 ; तथा (iii) भागलपुर जल आपूर्ति परियोजना 2।
जिम्मेदार एडीबी अधिकारी	विशाल, विवेक
जिम्मेदार एडीबी विभाग	दक्षिण एशिया विभाग
जिम्मेदार एडीबी प्रभाग	भारतीय निवासी मिशन
निष्पादक अभिकरण	*शहरी विकास और आवास विभाग, बिहार सरकार* *विकास भवन पटना* *800 015 बिहार*
समयसारणी	
अवधारणा मंजूरी	-
तथ्य अन्वेषण	-
एमआरएम	20 जुलाई 2017
अनुमोदन	04 दिसम्बर 2017
अंतिम पुनरीक्षा मिशन	-
अंतिम पीडीएस अद्यतन	05 दिसम्बर 2017

ऋण 3612- भारत

मील के पत्थर					
अनुमोदन	हस्ताक्षर की तिथि	प्रभाविता तिथि	अनुमोदन समापन		
			मूल	संशोधित	वास्तविक
04 दिसम्बर 2017	23 फरवरी 2018	17 अप्रैल 2018	31 दिसम्बर 2021	-	-

	वित्तपोषण योजना			ऋण उप		
	कुल (राशि यूएस डॉलर मिलियन में)		तिथि	एडीबी	अन्य	शुद्ध प्रतिशत
परियोजना लागत		120.00	संचयी संविदा पुरस्कार			
एडीबी		84.00	04 दिसम्बर 2017	41.79	0.00	50%
प्रतिपक्ष		36.00	संचयी संवितरण			
सहवित्तपोषण		0.00	04 दिसम्बर 2017	0.00	0.00	0%

परियोजना पृष्ठ	https://www.adb.org/projects/41603-024/main
सूचना हेतु अनुरोध	http://www.adb.org/forms/request-information-form?subject=41603-024
दिनांक जिसको जनित किया गया	14 मई 2018

परियोजना डेटा शीट्स (पीडीएस) में परियोजना अथवा कार्यक्रम पर संक्षिप्त जानकारी दी गई हैः क्योंकि पीडीएस प्रगति–में–कार्य होता है, इसके आरंभिक संस्करण में कुछ जानकारी सम्मिलित नहीं होना संभव है, परंतु यह उपलब्ध होते ही जोड़ दी जाएगी। प्रस्तावित परियोजनाओं के बारे में जानकारी अनंतिम एवं संकेतात्मक है।

एशियाई विकास बैंक इस परियोजना डेटा शीट (पीडीएस) में दी गई जानकारी इसके उपयोगकर्त्ताओं के लिए, किसी भी प्रकार के आश्वासन रहित संसाधन मात्र के रूप में उपलब्ध कराता है। यद्यपि एशियाई विकास बैंक उच्च गुणवत्ता की विषयवस्तु उपलब्ध कराने का प्रयास करता है, तदपि जानकारी विपण्यता, विशेष प्रयोजन हेतु उपयुक्तता और अनतिक्रमण की सीमांकन वारंटियों सहित किसी भी प्रकार की वारंटी, अभिव्यक्त अथवा अभिप्रेत, के बिना "जैसी है" आधार पर उपलब्ध कराई जाती है। एशियाई विकास बैंक ऐसी जानकारी की सटीकता अथवा पूर्णता के संबंध में विनिर्दिष्ट रूप से कोई वारंटी अथवा अभिवेदन प्रस्तुत नहीं करता है।